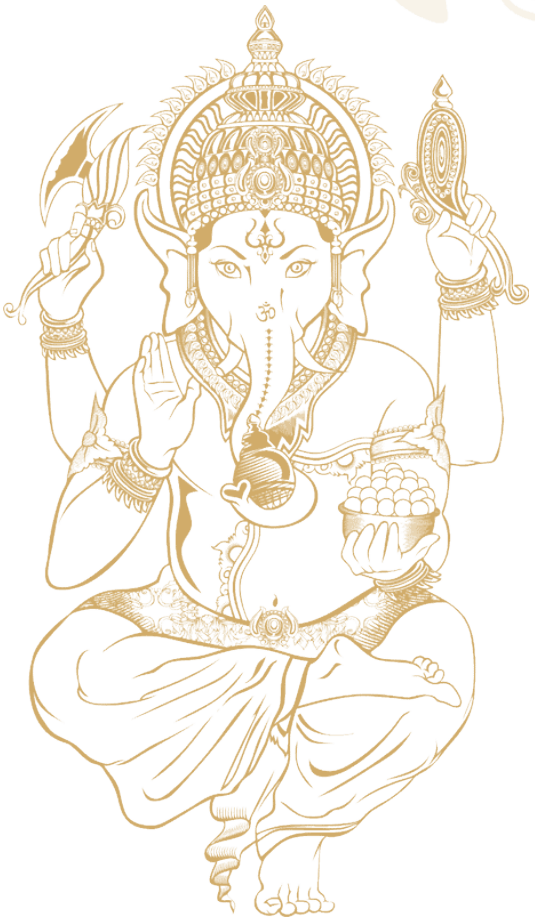

Rajbi

01 Jan 2025

03:40 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121631902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/01/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:40:00 घंटे**
इष्ट	20:37:50 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:13:28 घंटे
वेलान्तर	-00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	21:58:44 घंटे
सूर्योदय	07:24:52 घंटे
सूर्यास्त	17:35:46 घंटे
दिनमान	10:10:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:02:22 धनु
लग्न के अंश	21:12:01 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:12:01	361:11:58	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			धनु	17:02:22	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	05:25:22	13:31:47	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल	व		कर्क	07:34:18	00:19:56	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	नीच राशि
बुध			वृश्चि	26:12:40	01:17:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृष	18:57:51	00:06:20	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	03:57:37	01:04:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	20:21:00	00:04:34	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मीन	06:35:07	00:11:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:35:07	00:11:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	29:25:09	00:01:27	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	03:05:50	00:00:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:52:17	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	03:17:00	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:23

लग्न-चलित

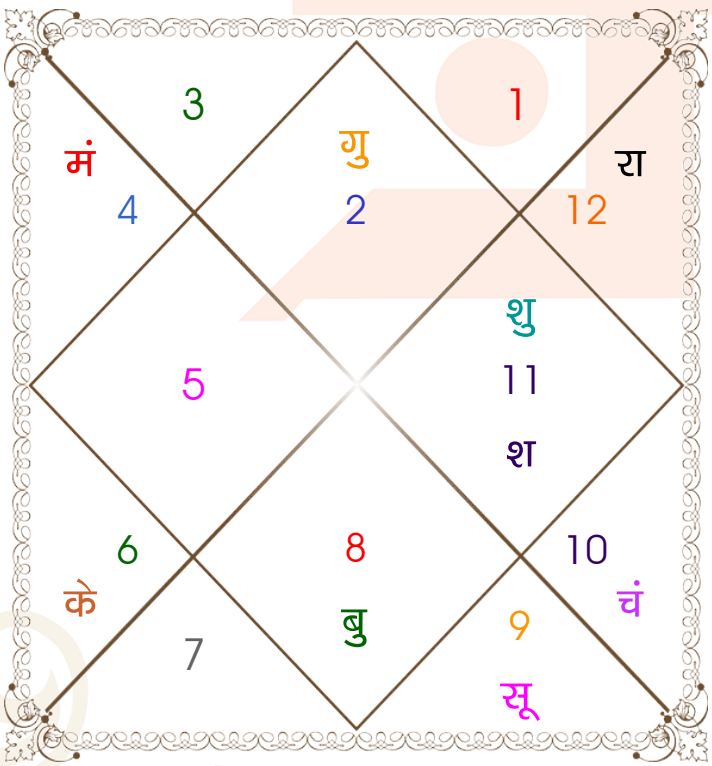

चन्द्र कुंडली

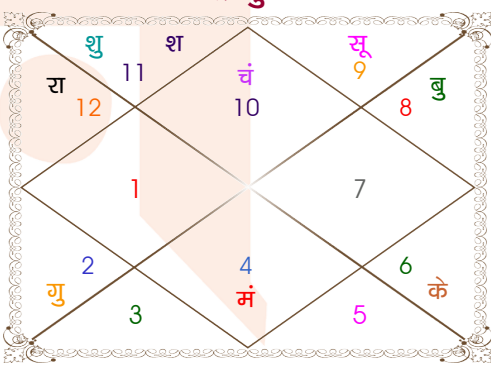

नवमांश कुंडली

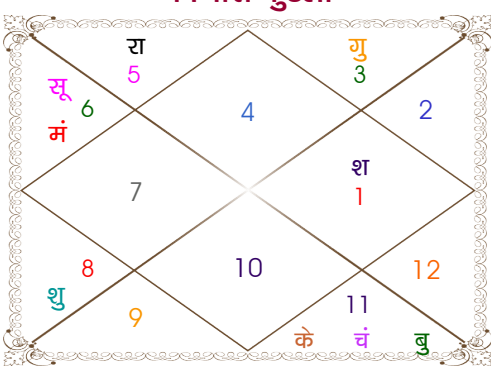

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 0 मास 21 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/01/2025		23/01/2027		23/01/2037		24/01/2044		23/01/2062	
23/01/2027		23/01/2037		24/01/2044		23/01/2062		23/01/2078	
	00/00/0000	चंद्र	24/11/2027	मंगल	21/06/2037	राहु	06/10/2046	गुरु	12/03/2064
	00/00/0000	मंगल	24/06/2028	राहु	10/07/2038	गुरु	28/02/2049	शनि	24/09/2066
	00/00/0000	राहु	24/12/2029	गुरु	16/06/2039	शनि	05/01/2052	बुध	30/12/2068
	00/00/0000	गुरु	25/04/2031	शनि	24/07/2040	बुध	25/07/2054	केतु	06/12/2069
	00/00/0000	शनि	23/11/2032	बुध	22/07/2041	केतु	12/08/2055	शुक्र	06/08/2072
	01/01/2025	बुध	25/04/2034	केतु	18/12/2041	शुक्र	12/08/2058	सूर्य	25/05/2073
बुध	17/09/2025	केतु	24/11/2034	शुक्र	17/02/2043	सूर्य	07/07/2059	चंद्र	24/09/2074
केतु	23/01/2026	शुक्र	24/07/2036	सूर्य	25/06/2043	चंद्र	05/01/2061	मंगल	31/08/2075
शुक्र	23/01/2027	सूर्य	23/01/2037	चंद्र	24/01/2044	मंगल	23/01/2062	राहु	23/01/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
23/01/2078		23/01/2097		24/01/2114		24/01/2121		24/01/2141	
23/01/2097		24/01/2114		24/01/2121		24/01/2141		00/00/0000	
शनि	26/01/2081	बुध	22/06/2099	केतु	22/06/2114	शुक्र	25/05/2124	सूर्य	14/05/2141
बुध	06/10/2083	केतु	19/06/2100	शुक्र	22/08/2115	सूर्य	26/05/2125	चंद्र	12/11/2141
केतु	14/11/2084	शुक्र	20/04/2103	सूर्य	28/12/2115	चंद्र	24/01/2127	मंगल	20/03/2142
शुक्र	15/01/2088	सूर्य	24/02/2104	चंद्र	28/07/2116	मंगल	26/03/2128	राहु	12/02/2143
सूर्य	27/12/2088	चंद्र	26/07/2105	मंगल	25/12/2116	राहु	26/03/2131	गुरु	01/12/2143
चंद्र	28/07/2090	मंगल	23/07/2106	राहु	12/01/2118	गुरु	24/11/2133	शनि	12/11/2144
मंगल	06/09/2091	राहु	08/02/2109	गुरु	19/12/2118	शनि	24/01/2137	बुध	02/01/2145
राहु	13/07/2094	गुरु	17/05/2111	शनि	28/01/2120	बुध	25/11/2139		00/00/0000
गुरु	23/01/2097	शनि	24/01/2114	बुध	24/01/2121	केतु	24/01/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 0 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।